प्रश्न पत्र – MJY-C~~303~~ 302 अर्जिताधिमार 06-05

C302

तृतीय–सत्र

समूह–2 (वैदिक कर्मकाण्ड)

एम0ए0 तृतीय–सत्र

अनिवार्य पत्र

संस्कारविवेचन–2 70+30=100 पूर्णांक

SANSKARA VIVECHANA-2

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा। 6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा। 10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड – 1 चूडाकर्म एवं उपनयन संस्कार की विधि एवं महत्व **खण्ड – 2 कर्णवेध एवं वेदारम्भ संस्कार की विधि एवं महत्व** **खण्ड – 3 समावर्त्तन संस्कार की विधि एवं महत्व** **खण्ड – 4 विवाह की संस्कार** **खण्ड – 5 वानप्रस्थ, संन्यास एवं अन्त्येष्टि संस्कार की विधि एवं महत्व**

सन्दर्भग्रन्थ :

1. संस्कारविधि–स्वामी दयानन्द सरस्वती, विजयकुमार, गोविन्दराम हासानन्द 4408, नई सड़क, दिल्ली–6
2. संस्कारचन्द्रिका–सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, विजयकुमार लखनपाल डब्ल्यू–77/11 ग्रेटर कैलाश–1 नई दिल्ली 48
3. संस्कारभास्कर– स्वामी विद्यानन्द सरस्वती
4. संस्कार विधिमण्डनम् – प्रो0 रामगोपाल शास्त्री
5. संस्कार समुच्चय – पं0 भरतमोहन विद्यासागर, गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली
6. हिन्दू संस्कार – राजबली पाण्डेय
7. पारस्करगृह्यसूत्र–डॉ0 वेदपाल, सत्यार्थ प्रकाशन,
8. षोडश संस्कार विवेचन– पं0 श्रीराम शर्मा

07/14/04/17